वार्तालाप सीडी नं. 480, पुणे–1 (महाराष्ट्र), ताः 3.1.08
Disc CD No. 480, dated 3.1.08 at Pune-1 (Maharashtra)

समय–4.25–7.15
जिज्ञासु– बाबा, ने मुरली में कहा कि अन्दर वाले रह जायेंगे बाहरवाले ले जायेंगे।
बाबा– है।
जिज्ञासु– बाबा हमसे अच्छा तो बेसिक वाले हो गया ना।

Time: 4.25-7.15
Student: Baba has said in a *Murli* that the insiders will be left (emptyhanded) and the outsiders will take away (the inheritance of happiness and peace).
Baba: Hum?
Student: Baba, (so) those following the basic knowledge became better than us, didn't they?

बाबा– ले जायेंगे कि ले गये? बेसिक नालेज में क्या हुआ? जो अन्दर वाले सरेन्डर हो करके बैठे हुये थे, घर घाट छोड़ करके आये हुये वो अभी तक अंदर ही बैठे हुए है , उन्हें बाहर की दुनिया का पता ही नहीं है कि भगवान घर गृहस्थ में आ करके गृहस्थ में रहते हुये गृहस्थियों को राजयोग की पढ़ाई पढ़ाय रहा है। अन्दर वाले रह गये और जो घर गृहस्थ का जीवन, कीचड़ का जीवन बिताने वाले बेसिक नालेज में थे वो ले गये। यहां कोई ऐसा बैठा हो जो गृहस्थी न हो।

Baba: Will they take away or did they take away? What happened in the basic knowledge? The insiders, who had remained surrendered, the ones who had come leaving their households, they are still sitting inside, they do not know about the outside world at all that God comes in a household and while living in a household, He is teaching *Rajyog* to the householders. The insiders were left (empty handed) and the ones who were leading a household life, a life of mud in the path of basic knowledge took away (the inheritance of peace and happiness). Is there anyone sitting here who is not a householder,

जिज्ञासु–बाबा बेसिक में तो....................
बाबा – बाहर रहने वाला न हो, सरेन्डर हो करके रहा हो। है बैठा हुआ? भगवान गृहस्थियों को पढ़ाई पढ़ाने आता है सन्यासियों को पढ़ाई पढ़ाने आता है? (सबने कहा – गृहस्थियों को) गीता ज्ञान सन्यासियों के लिये है या अर्जुन जैसे गृहस्थियों के लिये है? (सबने कहा – गृहस्थियों के लिए) तो समझ में आ सकता है कि भगवान कहां पढ़ाई पढ़ाता है। सन्यासी जीवन बिताने वाले सफेद कपड़ों वाले हों चाहे लाल कपड़े वाले हों, चाहे पीले कपड़े वाले हों, चाहे काले कपड़े वाले हो, उन सन्यासियों के पास भगवान आता है क्या? नहीं आता है। तो ब्राह्मणों की दुनिया में भी सन्यासियों के पास नहीं आता है। इसलिये मुरली में बोला है जहां छत्तीस प्रकार के भोग मिल सकते हैं वहां मैं नहीं आता हूं। जहां बच्चों को रोटी भी नहीं नसीब होती है वहां मैं आता हूं। भगवान को गरीब निवाज़ कहा जाता है।

Student: Baba in the basic knowledge…
Baba: …..the one who does not live outside, the one who has surrendered (himself)? Is there any such person sitting (here)? Does God come to teach the householders or the *sanyasis* (renunciates)? (Everyone said – to the householders). Is the knowledge of Gita for the *sanyasis* or for the householders like Arjun? (Everyone said – for the householders). So, one can understand as to where God teaches. Does God come to the *sanyasis* leading a life of renunciation, whether they the ones who wear white clothes, whether they are the one who

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

wear red clothes, whether they are the ones who wear yellow clothes, whether they are the ones who wear black clothes? He does not (come to them). So, He does not come to the *sanyasis* within the world of Brahmins as well. That is why it has been said in the *Murlis,* "I do not come where one can get 36 varieties of *bhog* (food). I come at the place where children are not even lucky to get *roties*." God is called *Garib Niwaaz* (friend of the poor ones).

जिज्ञासु–बाबा बेसिक वाले बोलते है कि बाबा ने हमे गद्दी पर बिठाया है, पहले बोलते थे जब मैं जाती थी तो, तो जो भी बात हो हमसे डायरेक्शन लेके करो। तो क्या ये सही है?
बाबा–भगवान भविष्य के लिये गद्दी नशीन बनाता है कि वर्तमान में गद्दी देने आता है? वर्तमान में तो भगवान खुद ही आता है बच्चे आइ एम युअर (सबने कहा – मोस्ट) ओबिडियंट सर्वेंट। भगवान आता है सेवाधारी बनकरके और बच्चे क्या बनके बैठ जाते है? हुक्मरान बन करके बैठ जाते है। हमसे डायरेक्शन ले करके ऐसा करो।

Student: Baba, those who follow the basic knowledge say that Baba has made us to sit on the *gaddi* (seat of power). They used to tell like this when I used to go there; (They used to say that) So, whatever you have to do, do it after taking directions from us. So, is it right?
Baba: Does God make us sit on the incumbent of a seat of office for the future or does He come to give us throne in the present time? In the present time, God Himself comes (and says), "Child, I am your (Everyone said – most) obedient servant. God comes as a *sevadhari* (server) and what do the children become and sit? They become rulers and sit. (They say), "Seek directions from us and do like this."

समय – 10.50–18.15
जिज्ञासु – कराची से मुरली चली आई है। तो मुरली चलाने के लिये वहां कौन निमित्त थे? किसके द्वारा मुरली चली?

Time: 10.50-18.15
Student: The *Murli* has being narrated since the days of *Karachi*. So, who were instrumental in narrating *Murli* there? Through whom was the *Murli* narrated?

बाबा – बाबा सिंध हैदराबाद को पहले ही छोड़करके कराची चले गये थे अकेले। ब्रह्मा बाबा। उस समय सारा सतसंग नहीं गया। कोर्ट कचेरियां हुई और चारों तरफ ग्लानि उड़ी तो उसका रिजल्ट ये आया – सभी कन्यायें मातायें तालों के अंदर बंद कर दी गई सिंध हैदराबाद में। उस समय से ले करके और सन सैंतालीस के कराची में हुये हिंदुस्तान–पाकिस्तान के खून खराबे के झगड़े के समय तक वो तालों में बंद रहीं।

Baba: Baba, Brahma Baba had already left *Sindh Hyderabad* and moved alone to *Karachi*. At that time, the entire *satsang* (gathering) did not move (to *Karachi*). When the court proceedings took place; and defamation took place everywhere; so, its result came out as, all the virgins and mothers were locked (at their residences) at *Sindh Hyderabad*. From that time until the year 1947, the time of fight with bloodshed that happened in *Karachi* during (the partition of) India and Pakistan they remained locked up.

जब खून खराबा हुआ तो तीन सौ, चार सौ कन्याओं माताओं को सबको मौका मिल गया स्वतंत्र होने का और वो भाग करके कराची आ गई। पहले ब्रह्मा बाबा अकेले थे, अकेले दुकेले कोई आते थे मिलने के लिये और अब सैंतालीस में क्या हुआ? तीन सौ, चार सौ

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

कन्याओं माताओं शक्तियों का सहयोग मिल गया। तो ब्रह्मा बाबा को नशा चढ़ेगा अचानक या उतरेगा? नशा चढ़ गया। हिम्मत आ गई। हिम्मते बच्चे (सबने कहा – मददे बाप) मददे बाप। बाप ने प्रवेश कर लिया।

When the bloodshed took place, all the three hundred, four hundred virgins and mothers received a chance to become free and they ran away to *Karachi*. Initially, Brahma Baba was alone, one or two persons used to come to meet him; and then what happened in 1947? He received the support of three hundred, four hundred virgins and mothers, *shaktis* (consort of Shiva). So, will Brahma Baba's intoxication suddenly rise or not? His intoxication rised. He developed courage. When children show courage, (Everyone said – the Father helps) the Father helps. The Father entered.

जिज्ञासु– फिर उनकी उमर पचास साल की थी न तब।
बाबा– उस समय सैंतालीस में साठ साल की उम्र होगी तब ही तो प्रवेश करेंगे। सन 36 में उनकी पचास साल उमर थी। उस समय भागीदार में प्रवेश हुआ था। और भागीदार ने उनके साक्षात्कारों का अर्थ दिया था, क्लेरिफिकेशन दिया था। ब्रह्मा के अन्दर शिव की प्रवेशता साबित नहीं होती। अगर साबित होती है तो सैंतालीस से ले करके 76 तक बाप के प्रत्यक्षता वर्ष तक उनकी आयु सौ साल पूरी नहीं हो रही है। क्या? बहुत जन्मों के अंत के भी अंत में मैं प्रवेश करता हूं। अगर सन सैंतालीस में ब्रह्मा के बहुत जन्मों को मानें, 84 वां जन्म माने और 84 वे जन्म का अंत और उसका भी अंत। माना साठ साल में जो ब्रह्मा के चालीस साल रह गये वो भी जोड़ दे तो सन 76–77 आता है या 87 आता है? (सबने कहा – सत्तासी) सत्तासी आता है। तो सन सत्तासी में बाप की प्रत्यक्षता वर्ष होना चाहिये। 76 में कैसे हो गया?

Student: Then at that time his age was fifty years, wasn't it?
Baba: At that time, in 1947, he must have been 60 years old. Only then will He (the Supreme soul) enter (in him). In 1936 his age was fifty years. At that time (in 1936) He had entered in the partner. And the partner had given him the meanings, clarifications of his visions. The entry of Shiv in Brahma is not proved. If it is proved, then from 1947 to 1976, until the year of the Father's revelation, his age is not completing to hundred years. What? I enter at the end of the end of many births. If the end of Brahma's many births is considered to have occurred in 1947, if it is considered to be his 84th birth, and then the end of the 84th birth and end of even that end. It means that if the remaining forty years of Brahma are added to the sixty years, then does it come to 76-77 or to 87? (Everyone said – Eighty seven) It comes to 87. So, the year 1987 should be the year of revelation of the Father. How did it happen in 1976?

वो इस तरह हो गया कि 36 में भागीदार में प्रवेश किया था। वो साठ साल का था। उस समय ब्रह्मा बाबा की आयु पचास साल थी। ज्ञानामृत पत्रिका में भी इस बात का प्रूफ मिल गया। जो बी.के. वालों के द्वारा ही लिखी हुई है।
(किसी ने कहा – निर्मलशांता दादी का लेख) तो सन 36 में प्रजापिता की आयु साठ साल, ब्रह्मा की आयु कितनी है शास्त्रों में, कितनी मानी जाती है? सौ साल। तो वो सौ साल का अंतिम टाइम पूरा होने के लिये कितने साल और एड़ किये जायें? चालीस साल। 36 में चालीस एड़ किये तो कौनसा सन आया? 76 आया। ब्रह्मा के सौ साल पूरे होने पर ब्रह्मा मृत्युलोक खलास हो जाता है।

It happened so in the way that He had entered in the partner in 1936. He was sixty years old. At that time, Brahma Baba was fifty years old. Its proof has been found in the *Gyanamrit* magazine as well, which has been written by the BKs themselves. (Someone said – the article of *Nirmalshanta Dadi*). So, in the year 1936 Prajapita's age was sixty years; what is Brahma's age mentioned or considered to be in the scriptures? Hundred years. So, how many years should be added to complete the last time of hundred years? Forty years. If forty years are added to the year 36, it results in which year? It comes to 76. On the completeion of hundred years of Brahma, Brahma's time in the world of death ends.

ब्रह्मा के चार–पांच रूप है तो पहला रूप भी कोई है। वो पहले रूप वाला ब्रह्मा जब सौ साल पूरा करता है तो उसका मृत्युलोक खलास हो जाता है। मृत्युलोक खलास होगा तो आत्मा का पहले खलास होगा या शरीर का पहले खलास होगा? (किसी ने कहा – शरीर का) मन बुद्धि रूपी आत्मा वो मनन चिंतन मंथन की ऐसी स्टेज पकड़ गई कि उसमें मृत्युलोक का उसको दुख नहीं भासेगा, वो मन बुद्धि से सुख ही अनुभव करेगा। ऐसी चीज मिल जाती है। अविनाशी ज्ञान मिल जाता है।

Brahma has four-five forms; so there is some first form as well. So, when that first form of Brahma completes hundred years, then his (time in the) world of death ends. When the time in the world of death ends, will it end for the soul first or for the body? (Someone said – of the body). The mind and intellect-like soul reaches such a stage of thinking and churning that he will not experience the sorrows of the world of death; he will experience only happiness through the mind and intellect. He receives such a thing. He receives the imperishable knowledge.

तो सन 76 में बाप का प्रत्यक्षता वर्ष मनाया गया। 87 में कृष्ण वाली आत्मा अर्थात सेकंडरी ब्रह्मा, उस ब्रह्मा के सौ साल पूरे होते है 87 में, जब सौ साल पूरे होते है तो वो भी मृत्युलोक को त्याग कर अमरलोक में आ जाता है। और उसकी यादगार (किसी ने कहा – निराकारी स्टेज में) नहीं, उसकी यादगार बनती है। सागर में पीपल के पत्ते पर गर्भ महल में कृष्ण बच्चा आराम से लेटा हुआ है। आत्मिक स्मृति का अंगूठा चूसते हुये। तो सन सत्तासी से वो स्टेज पकड़ती है वो आत्मा। वो बच्चे की प्रत्यक्षता है। बच्चे ने जम्प लगाई मृत्युलोक से अमरलोक की ओर। इसलिये पूरे एक वर्ष दादा लेखराज ब्रह्मा गुलजार दादी में अव्यक्त वाणी नहीं चलाई। उस समय सारी ताकत लगा दी एड़वांस पार्टी में। और गर्भ महल की प्रत्यक्षता हुई। तो सन 47 में ब्रह्मा की आयु कितनी थी? (किसी ने कहा – पचास) पचास साल। सन 47 में साठ साल और 36 में पचास साल।

So, the year of revelation of the Father was celebrated in 1976. The soul of Krishna, i.e. secondary Brahma completes hundred years in 1987; when the hundred years are completed, he too renounces the world of death and enters the world of immortality. And its memorial (someone said – incorporeal stage). No, its memorial is formed (as) the child Krishna lying comfortably in the palace-like womb on a fig *(peepal)* leaf in the ocean, sucking his thumb of soul conscious stage. So, that soul achieves that stage since 1987, it is the revelation of the child. The child took a leap from the world of death to the world of immortality. That is why Dada Lekhraj Brahma did not narrate *Avyakta Vani* through Gulzar Dadi for one complete year. At that time, he invested the entire energy on the advance party. And the womb-like palace was revealed. So, what was the age of Brahma in 1947? (Someone said – fifty) Fifty years. (His age was) sixty years in the year 1947 and fifty years in the year 1936.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय–21.20
जिज्ञासु–बाबा, बाबा ने बोला है जो जिस धर्म की आत्मा होगी विनाश से पहले मतलब, दूसरे देश में चली जायेगी।
बाबा–हैं?
जिज्ञासु–जो जिस धर्म की आत्मा होगी बीजरूप।
बाबा–हां।
जिज्ञासु–वो अपने देश में चली जायेगी।

Time: 21.20
Student: Baba, Baba has said that a soul belonging to a particular religion (within the Brahmin family) will go to other country before the destruction.
Baba: Hum?
Student: To whichever religion a seed-form soul belongs...
Baba: Yes.
Student: …………it will go to its own country.

बाबा – नहीं, ऐसे नहीं बोला। ये बोला कि जो भी बीज है सृष्टि के वो सारी सृष्टि के बीज कितने जन्म लेने वाले हैं? पूरे 84 जन्म लेने वाले है। अगर पूरे 84 जन्म लेने वाली आत्मा अंत समय में दूसरे धर्म में चली जाये तो उसके जन्म कम होंगे या ज्यादा होंगे? (सबने कहा – कम होंगे) कम हो जावेंगे। (किसी ने कुछ कहा) अर्थ ये नहीं है, ये नहीं बताया कि बीज रूप आत्मायें जो है कोई–कोई दूसरे धर्म में चली जावेंगी। थोड़े समय के लिये ये शूटिंग होती है। क्या? जब तक बाप की पूरी प्रत्यक्षता न हो तब तक के लिये कि जो भी और–और धर्म की आत्मायें है वो अपने–अपने ग्रुप का पल्ला पकड़ लेंगी और साबित हो जायेंगी कि ये कन्वर्ट होने वाले इस धर्म के बीज है। नहीं तो कैसे पता चलेगा? हैं? पता चल जायेगा। और पता चलने के बाद जो भी कन्वर्ट होने वाले हैं वो कन्वर्शन में चले गये। तो कौनसे वंश के बचेंगे? (सबने कहा – सूर्यवंश) सूर्यवंशी बचेंगे।

Baba: No. It has not been said like this. It has been said that whoever are the seeds of the world, how many births will all the seeds of the world take? They are the ones who take complete 84 births. If a soul who takes complete 84 births goes to another religion in the end time, then will its births be fewer or more? (Everyone said – it will take fewer births) It will be fewer. (Someone said something). So, it does not mean this, it has not been said that some seed form souls will go to the other religions. This shooting takes place for some time. What? Until the complete revelation of the Father takes place, the souls belonging to the other religions will hold the side of their own groups and it will be proved that they are the seeds that will convert in this particular religion. Otherwise, how will we come to know? Hum? We will come to know. And after coming to know those who are going to convert, converted (into their own religions). So, (souls) of which dynasty will remain? (Everyone said – the Sun dynasty) Those belonging to the Sun Dynasty will remain.

जो सूर्यवंशी बचेंगे वो ऊँची स्टेज पकड़ लेंगे। और बाकी सब अपना शीशा सबको अपना शीशा देखने को मिल जायेगा कि हम आसुरी धरम के है या दैवी धरम के है? (किसी ने कहा – बाबा सूर्यवंशी तो बारह ही) बारह जो है वो राजा क्वालिटी की है या प्रजा क्वालिटी की है? (सबने कहा – राजा क्वालिटी) तो उनकी प्रजा नहीं होगी? (सबने कहा – होगी) एक–एक राजा की लाखों की तादाद की प्रजा होती है। यहाँ राजायें बनते है तो उन्होने अपनी प्रजा नहीं बनायी होगी? तो राजा, यथा राजा तथा प्रजा सब एक जैसे होंगे या सिर्फ बारह ही होंगे? हैं? सब एक जैसे होंगे। सूर्यवंशी होंगे पक्के तो सब सूर्यवंशी होंगे।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

The *Suryavanshis* who remain will achieve a high stage. And all the rest will get to look in the mirror to check whether they belong to the demoniac religion or to the deity religion? (Someone said – Baba, there are just 12 *Suryavanshis*) Do those 12 have the quality of kings or the quality of subjects? (Everyone said – Quality of kings) So, will they not have subjects? (Everyone said – They will have) Every king has subjects numbering in lakhs (hundred thousands). When they become kings here, would they not have prepared their subjects? So, will the subjects be as the king, will they be alike or will there be just twelve ? Hum? Everyone will be alike. If they (the 12 souls) are firm *Suryavanshis*, they (subjects) shall all be *Suryavanshis*.

हां, जब वो डायनेस्टी प्रत्यक्ष हो जावेगी, तो दूसरी–दूसरी डायनेस्टीज़ भी प्रत्यक्ष होंगी। वो भी मानेंगी, अपने स्वरूप को पकडेंगी, सजायें खायेंगी और एक बाप को मानेंगी। एक बाप की छत्रछाया में आवेंगी। कब? सन 36 का, 2036 का विनाश होने से पहले ही मानेंगी। (किसी ने कहा – इतना लेट?) है ही कितनी? साढ़े चार लाख तो हैं। साढ़े चार लाख तो उनमें प्रवेश करने वाले है जो बच्चे के रूप में 84 जन्म लेंगे । तो नौ लाख सितारे होंगे। जो लास्ट विनाश के टाइम पर सारी दुनिया में चमक मार रहे होंगे। नही तो 500 करोड़ मनुष्य आत्माओं को संदेश कैसे मिलेगा? प्रैक्टिकल में संदेश मिलना है या नहीं मिलना है? मिलना है। तो ऐसे नहीं अंत समय में विनाश के समय में सब दूसरे धरम में चले जावेंगे। नहीं। चले जावेंगे और फिर आवेंगे। नहीं तो फिर उनके पार्ट कैसे प्रत्यक्ष होंगे? पार्ट प्रत्यक्ष होना है कि नहीं होना है? होना है।

Yes, when that dynasty is revealed, then other dynasties will also be revealed. They too will accept and achieve their form; suffer punishments and accept the one Father. They will come under the canopy of the one Father. When? They will accept before the destruction in the year 36, 2036. (Someone said – So late?) After all how many of them are there? They are just four and a half lakhs (450 thousands). (The remaining) four and a half lakhs are the ones who enter in them; the ones who will take 84 births as children. So, there will be nine lakh (900 thousand) stars, which will be shining in the entire world at the time of last destruction. Otherwise, how will the 500 crore human souls get the message? Do they have to get the message in practical or not? They have to. So, it is not as if they will all go to other religions at the end time, at the time of destruction. No. They will go and then come back. Otherwise, how will their parts be revealed? Should their parts be revealed or not? They have (to be revealed).

समय–26.55
जिज्ञासु–बाबा ने बोला कि जो सतयुगी बच्चे होंगे उनको लालन पालन करने की जरूरत नहीं होगी। वो पैदा होते ही चलने लगेंगे, बात करने लगेंगे। तो कृष्ण और जो राधा पहली जो होंगे..............
बाबा–हैं?
जिज्ञासु – कृष्ण जो पहला प्रिन्स होगा, और प्रिन्सेज जो राधा होगी, वो भी तो मतलब उसी तरह होगी ना। पैदा होते ही चलने और बात करने लगेंगी ना।
बाबा–है, तो।

Time: 26.55
Student: Baba has said that the GoldenAge children will not be required to be taken care of. They will start walking, talking as soon as they take birth. So, Krishna and Radha, who will be the first ones...
Baba: Hum?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Krishna, who will be the first prince and Radha, who will be the first princess; they too will be like that, will they not? They will start walking and talking as soon as they take birth, will they not?
Baba: Yes, so?

जिज्ञासु–बाबा यही मुझे पूछना था।
बाबा–है?
जिज्ञासु–यही मुझे पूछना था कि सतयुगी बच्चे मतलब पैदा होते ही बात करते और चलने लगते है क्या?
बाबा–हां, तो क्या टट्टी पेशाब करते रहेंगे दो – ढ़ाई साल? उनके मां बाप को सफाई करनी पडेगी? आज के दुनिया में भी ऐसे ऐसे कहीं कहीं बच्चे पैदा हो जाते है कि माँ को तकलीफ होती नहीं। तो वहाँ की तो बात ही निराली है।

Student: Baba, I wanted to ask only this.
Baba: Hum?
Student: Baba, I wanted to ask only this, 'whether the Golden Age children start talking and walking soon after birth?
Baba: Yes; so, will they (just) keep defeacating and urinating for two to two and a half years? Will their parents have to clean (their shit and urine)? Even in today's world, sometimes, some children take birth (in such a way) where the mother does not face any difficulty. But it is completely different about that place.

समय–27.51–28.15
जिज्ञासु–माया का विघ्न नहीं आने के लिये क्या करना है?
बाबा–अभी तो बताया मुरली में निरन्तर सेवा में लगे रहेंगे तो माया को मौका ही नहीं मिलेगा। आज की मुरली में ही तो बताया।

Time: 27.51-28.15
Student: What should we do to avoid the obstacles of *Maya*?
Baba: Just now it was said in the *Murli* that if you remain busy in service continuously then *Maya* will not get any chance at all. It was mentioned in today's *Murli* itself.

समय–28.17
जिज्ञासु– बाबा, मुरली में बोला है राम ही रावण बनता है, और कृष्ण ही कंस बनता है। तो इस बात की संगमयुग में शूटिंग कैसे होती है?
बाबा – जो आत्मा सबसे नीचे जायेगी वो सबसे ऊपर जायेगी या नहीं? (किसी ने कहा – जायेगी) ये आत्मा की शक्ति की बात है। जो जितना नीचे गिरता है वो उतना ऊँचा भी जाता है। नीचे गिरना या पतित होना बात एक ही है या अलग–अलग? एक ही बात है। और भगवान पतितों के लिये आता है या जो ऊँचा उठ करके रहते है उन सन्यासियों के लिये आता है? बड़े ते बड़े कामी कांटे में आकर उसको बड़े ते बड़ा फूल बनाता हूँ। माना पतित से पतित तन में आता हूँ और उसको एवर प्योर बनाता हूं। आप समान।

Time: 28.17
Student: Baba, it has been said in the *Murli* that Ram himself becomes Ravan and Krishna himself becomes *Kansa*. So, how does the shooting for this take place in the Confluence Age?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Will the soul that experiences maximum downfall experience the maximum rise or not? (Someone said – It will) It is a question of the power of a soul. The lower someone falls; he also goes higher to that extent. Is experiencing downfall or becoming impure, one and the same or is it different? It is one and the same thing. And does God come for the sinful ones or for the *sanyasis* who live in a high stage? I come in the biggest lustful thorn and make him the biggest flower. It means that I come in the most impure body and make him ever pure; like Myself.

तो राम वाली आत्मा वो सारी मनुष्य सृष्टि का बाप है ना। और बाप की जिम्मेवारी होती है – घर में अगर आग लग जाये तो अपने आखरी बच्चे को भी आग से निकालेगा। क्या? कि भाग जायेगा? निकालेगा। तो इस दुनिया में काम विकार की आग अंत तक बढ़ती जावेगी या घटती जावेगी? (सबने कहा – बढ़ती जावेगी) पुरूषार्थ करने वालों की आत्मा पावरफुल होती जावेगी लेकिन शरीर (सबने कहा – सड़ते जावेंगे) सड़ते जावेंगे। परन्तु जिन्होने याद के बल से अपनी आत्मा को पावरफुल बनाया है, वो हिम्मतवाले होंगे या हिम्मतहीन होंगे? हिम्मतवाले होंगे। भल शरीर सड़ा हुआ हो, तो भी हिम्मतवाले होंगे। और हिम्मते बच्चे (सबने कहा – मददे बाप) मददे बाप।

So, the soul of Ram is the father of the entire human world, isn't he? And it is the Father's responsibility to rescue even his last child if the house catches fire. What? Or will He run away? He will rescue them. So, will the fire of lust continue to increase in this world till the end or will it decrease? (Someone said – It will go on increasing) The souls of those who make special effort for the soul will go on becoming powerful but the bodies (everyone said – will go on rotting) will go on rotting. But will those who have made their souls powerful through the power of remembrance be courageous or will they be cowards? They will be courageous. Even though their bodies are rotten, they will be brave. And if the children display courage, (Everyone said – Father will help) the Father will help.

तुम बच्चे, तुम बच्चे हो तमोप्रधान। तमोप्रधान आत्मायें सेवा नहीं करती है। उनमें बापदादा प्रवेश करके सेवा करते है। उतनी ही सेवा करते है जितनी हिम्मत करते हैं। माया देखो कितनी हिम्मत करती है। इतनी जबरदस्त हिम्मत करने वाली माया कि सारी दुनिया एक ओर और अकेली माया एक ओर हो जाती है, जैसे बाप के बच्चों के लिये बोला – यज्ञ के आदि में भी बोला – एक बाप एक तरफ और सारी दुनिया दूसरी तरफ। तो कितनी हिम्मत करती है। लेकिन बाप की बेटी है तो बाप उस बेटी को भी हिम्मत में मदद देने के लिये बांधा हुआ है।

You children are *tamopradhan* (dominated by the quality of darkness or ignorance). *Tamopradhan* souls do not do service. Bapdada enters them and does the service. They do service to the same extent that they show courage. Look, *Maya* shows so much courage! *Maya* shows so much courage that the entire world stands on one side and *Maya* alone stands on another side. Just like it has been said for the Father's children; it was said in the beginning of the *yagya* too: one Father on one side and the entire world on the other side. So, she (i.e. *Maya*) shows so much courage! But she is Father's daughter; so, the Father is bound to help even that daughter in the courage that she shows.

जिज्ञासु – बाबा शरीर सडना माना बीमारी आना?
बाबा – शरीर अशक्त होना माना पांच तत्व जो है शरीर के तामसी बनते जा रहे है। भले कोई कितना भी योगी हो शरीर तामसी बन रहे है, 5 तत्व शरीर के तामसी बनते जा रहे हैं

या सात्विक बन रहे है? तामसी बनते जा रहे है। क्यों? क्योंकि दुनिया में जो भी आत्मायें है 500–700 करोड़ वो तामसी वायब्रेशन वाली ढ़ेर की ढ़ेर बढ़ती जा रही है या ज्ञानी तू आत्माओं की संख्या बढ़ रही है? तामसी आत्माओं की संख्या ढ़ेर की ढ़ेर हो गई है और ऊपर से और भी उतरती जा रही है। उतरती हैं और तुरंत थोड़े समय के बाद तामसी बनने लग पड़ती है।

Student: Baba, does rottening of the body mean the body becoming diseased?
Baba: The bodies becoming weak means the five elements of the body are becoming degraded *(tamasi)*. Someone may be a yogi to whatever extent, are the bodies becoming degraded, are the five elements of the body becoming degraded or are they becoming pure? They are becoming degraded. Why? It is because, the 500-700 crore (5-7 billion) souls that are there in the world are the ones with degraded vibrations increasing in large numbers or is the number of knowledgeable souls increasing? The number of degraded souls has increased a lot and many more souls are descending from above. They descend and within a short time they start becoming degraded.

तो सारी दुनिया में तामसी वायब्रेशन बढ रहा है या सात्विक वायब्रेशन बढ़ रहा है? (सबने कहा – तामसी) तामसी वायब्रेशन बढ़ रहा है। और प्रकृति के 5 तत्व जड़ हैं या चैतन्य है? (सबने कहा – जड़ है) जड़ तत्व तो ज्ञान को पकड़ेगा नहीं। और ज्ञान को पकड़ने वाली मुट्ठी भर आत्मायें बहुत थोड़ी है। तो प्रकृति के जो 5 तत्व है वो और ही तमोप्रधान बनते जावेंगे या सतोप्रधान बनेंगे? और ही तमोप्रधान बनते जावेंगे।

So, are degraded vibrations increasing in the entire world or are pure vibrations increasing? (Everyone said – Degraded) The degraded vibrations are increasing. And are the 5 elements of the nature non-living or living? (Everyone said – They are living) The non-living elements will not grasp the knowledge. And a handful of souls grasp the knowledge, who are very few. So, will the five elements of nature go on becoming more *tamopradhan* or will they become *satopradhan* (dominated by the quality of goodness and purity)? They will go on becoming even more *tamopradhan*.

और अभी तो अव्यक्त वाणी में ब्राह्मणों के लिये तो खास बोल दिया है बहुत खतरनाक बात बोल दी है। (किसी ने कहा – क्या बाबा?) क्या बाबा? अभी तक तो ब्राह्मणों की लड़ाई थी 5 विकारों के साथ। क्या? 5 विकार काम, कोध, लोभ, मोह, अहंकार और खुदा न खास्ता कहे अलबेलापन भी। सुस्ती। फिर अभी बीच में बोला कि माया हिम्मत हार गई है। हिम्मत हारते–हारते बार–बार जैसे कोमा में गई। क्या? फिर भी लड़ाई लडती रही। आखरीन फां हो गई। साकार शरीर फां हो गया।

And now it has especially been said for the Brahmins in the *avyakta vani*; a very dangerous issue has been said. (Someone said – What Baba?) What Baba? So far, the Brahmins had a fight with the five vices. What? The five vices, i.e. lust, anger, greed, attachment, ego and by chance carelessness as well. Laziness. Then, now, in between it was said that *Maya* has lost courage. While losing courage, she went into coma again and again. What? Even then she continued to fight. Ultimately she left. The corporeal body disappeared.

जो लोकलाज का बंधन था, ब्राह्मणों की दुनिया में या गुरूओं को लोकलाज का बंधन होता है ना। कि इतने सब ब्राह्मण फालोअर हैं उनको अभी तक मैं मना करती रही कि भगवान नहीं आया हुआ है साकार में। अंदर से तो रावण माया जानता था कि ये भगवान है। लेकिन

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

अहंकार के कारण मानता नहीं था। ऐसे ही माया बेटी भी जानती थी अंदर से लेकिन अहंकार के कारण, कौनसा अहंकार? कि मेरा टाइटिल क्या है? क्या टाइटिल है? सर्वशक्तिवान। मेरा टाइटिल सर्वशक्तिवान। अगर कोई दूसरे बच्चे पहले पहचान लेंगे और सरेण्डर हो जायेंगे तो टाइटिल किसके पास चला जावेगा? उन्हीं के पास चला जायेगा। इसलिये न मैं जीते जी मरूँगी न मरने दूँगी। शरीर रहते–रहते उन्होने न माना न दूसरों को मानने दिया। और शरीर छूट गया। अब लोकलाज के बन्धन से तो फ्री हो गई।

The bondage of public honour that was there, there is bondage of public honour in the world of Brahmins or among the *gurus*, isn't there? (There is a bondage that) I have so many Brahmin followers; up until now I kept denying that God has come in a corporeal form. From within, Ravan *Maya* knew that 'this one' is God. But due to ego, he did not use to accept. Similarly, daughter *Maya* too knew from within but because of ego; which ego? That, what is my title? What is the title? Almighty (sarvashaktiman). My title is 'almighty'. If other children recognize (God) before me and if they surrender, then who will receive the title? It will be received by them (those who surrender). (*Maya* says), "That is why I will not die alive and I will not let (someone else) die alive either." As long as she lived in her body , neither did she accept nor did she allow others to accept. And (now) she has left the body. Now she has become free from the bondage of public honour.

जो बड़े–बड़े गुरू होते हैं वो ईश्वरीय ज्ञान जब सुनते है, प्रदर्शनी वगैरह में तो इतना तो मान लेते हैं कि परमात्मा सर्वव्यापी नहीं है। अन्दर से समझ लेते हैं। लेकिन अपने चेलों के सामने कभी स्वीकार नहीं करते। लोकलाज का बंधन होता है। तो ये लोकलाज का बंधन शरीर रहते–रहते जबरदस्त था। सच्चाई को उगलने की हिम्मत ही नहीं थी। और अब? अब लोकलाज का बंधन टूट गया। तो जो लोकलाज का बंधन टूट गया तो अब वो आत्मा स्वतंत्र हो गई लोकलाज के बंधन से या अभी भी परतंत्र है? हं? स्वतंत्र हो गई। अब सिर्फ एक बात का बंधन है सूक्ष्म।..........

When the big *gurus* listen to the Godly knowledge in the exhibitions etc. they at least accept that God is not omnipresent. They understand it from within, but they do not accept in front of their disciples. There is the bondage of public honour (for them). So, as long as she *(Maya)* lived in her body this bondage of public honour was very strong. She had no courage to speak out the truth at all. And now? Now the bondage of public honour has gone. So, when the bondage of public honour has gone; now, is the soul free from the bondage of public honour or is it still dependant? Hum? She has become free. Now there is a subtle bondage of just one thing.

............सूक्ष्मशरीर जो है, वो सूक्ष्म शरीर उन्हीं आत्माओं को मिलता है जो सूर्यवंशी पक्के नहीं होते। क्या? ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा। उससे कौनसा वंश शुरू होता है? चंद्रवंश। विधर्मियों के बीच में सूर्यवंशियों के मुकाबले चंद्रवंश ही तो सबसे ऊँचा है। और उसका जो मुखिया है वो ही सूक्ष्म शरीर धारण करता है तो और कौनसी विधर्मी आत्मा रह जावेगी जो सूक्ष्म शरीर धारण न करे? जब चंद्रवंशियों का मुखिया ही ज्ञान सूर्य को नहीं पहचान पाता शरीर रहते–रहते। तो उनके फालोअर्स भी नहीं पहचान सकते।

………..Only those souls receive a subtle body, who are not firm *Suryavanshis* (belonging to the Sun Dynasty). What? Which dynasty does the moon of knowledge Brahma, start? The moon dynasty (*Chandravansh*). When compared to the *Suryavansh*, among the *vidharmis* (those who have the inculcations opposite to that said by the Father), the Moon dynasty is the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

highest. And when its head himself assumes a subtle body, then which other *vidharmi* soul will be left out who doesn't assume a subtle body? When the head of the followers of the moon dynasty himself wasn't able to recognize the Sun of knowledge as long as he was alive, then his followers cannot recognize (the Sun of knowledge) as well.

और इस ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा की रहबरी में पलने वाले जो और–और धर्म हैं दूसरे–दूसरे धर्म, जो द्वापरयुग से आते है। इब्राहिम का इस्लाम धर्म, बुद्ध, काइस्ट, उन धर्मों में जो कन्वर्ट होने वाली आत्मायें है वो भी तो आ करके सिंध हैदराबाद में ब्राह्मण बनी थी ना। कि नहीं बनी थी? सिंध, हैदराबाद में आकर ब्राह्मण बनी। इसलिये उस समय हैदराबाद की आबादी नौ लाख थी। नई दुनिया शुरू होती है तो आबादी कितनी होती है? नौ लाख। तो शूटिंग भी कितने से शुरू होती है। (किसी ने कहा – नौ लाख) नौ लाख से। उन नौ लाख आत्माओं के बीच में सूर्यवंशियों और चंद्रवंशियों को छोड़ दो। तो बाद में कौनसे वंश के आते हैं जो कन्वर्ट हुये भी आ गये? इस्लामी।

And the (followers of the) other religions, which come since the Copper Age, who were the ones to sustain under the guidance of the moon of knowledge Brahma, the souls that convert in the Islam religion of Abraham, Buddha, Christ; they too had come to *Sindh Hyderabad* and become Brahmins, hadn't they ? Or had they not become? They came to Sindh Hyderabad and became Brahmins. That is why at that time, the population of Hyderabad was nine lakhs (900 thousands). When the new world begins what is the population? Nine lakhs. So, with how many souls does the shooting begin as well? (Someone said – Nine lakhs) With nine lakhs. Among those nine lakh souls leave the *Suryavanshis* and *Chandravanshis*. So, after that which dynasty enters, which include the converted ones too? The Islamic souls.

इस्लामियों की कोई मुखिया भी आत्मायें होगी कि नहीं होंगी आई हुई? कन्वर्ट होने वालों में कोई सबसे पहले कन्वर्ट हुये होंगे? वो कौन थे? (किसी ने कहा – माया) वो वो ही आत्मायें है जो राधा कृष्ण के सतयुग में भी वारिसदार बनते है। और यहाँ संगमयुग में भी ब्रह्मा बाबा ने जैसे उन्हे अपना वारिसदार बनाकर रखा। कौन आत्मायें थी वो? भाईयों में कौन था? (सबने कहा – विश्वकिशोर भाऊ) विश्वकिशोर भाऊ के हाथ में सारा यज्ञ का दारोमदार सौंप के रखते थे बाबा। और कन्याओं माताओं के बीच में? मम्मा के शरीर छोड़ने के बाद सबसे जास्ती खातरी किसकी होती थी? (सबने कहा – कुमारिका) मुरली में बोला इन सब सितारों में सबसे जास्ती खातरी होती है कुमारिका की। तो खातिरी करने वाला कौन मुख्य? खुद ब्रह्मा बाबा। तो सबसे जास्ती खातरी की।

Will there be any chief souls belonging to Islam or not who had come? Among those who converted, will there be some who converted first? Who were they? (Someone said – *Maya*) They are the same souls, which become the heirs of Radha and Krishna even in the Golden Age. And even here in the Confluence Age, Brahma Baba made them his heirs. Which souls were they? Who was the one among the brothers? (Everyone said – *Vishwakishore bhau*). Baba used to entrust all the settlements of the *yagya* in the hands of *Vishwakishore Bhau.* And who among the virgins and mothers? After Mamma had left her body, who was regarded the most? [Everyone said – *Kumarika (Dadi)*] It has been said in the *Murli,* "Among all these stars, *Kumarika* receives regard the most." So, who was the main person to regard (her)? Brahma Baba himself. So, he regarded (her) the most.

अपने चंद्रवंश के जो फालोअर्स थे उनमें से किसी की खातिरी क्यों नहीं की? हैं? (किसी ने कहा – वह सूर्यवंशी में एड़ होते है) तो सारे ही सूर्यवंशियों में एड हो जाते है? सारे तो नहीं हो जाते होंगे। जो सूर्यवंशियों में एड हो जाते है वो तो चंद्रवंश को त्याग देते होंगे ना। त्याग करके तब तो इधर आयेंगे। अपने को ट्रांसफर करेंगे ना। और जो ट्रांसफर नहीं करते है भल शरीर छूट जाये, ऐसे और–और धर्मो में भी होता है। जो अपने धर्म के पक्के होंगे वो कभी कन्वर्ट नहीं होंगे ब्राह्मण धर्म में। क्या? है कि नहीं ऐसे? (सबने कहा – है) ढ़ेर सारे है। ऐसे यहाँ भी हैं। जो पक्के चंद्रवंशी होते हैं तो भगवान आ जाये चाहे भगवान का बाप आ जाये वो नहीं कन्वर्ट हो सकते।

Why did he not regard anyone among the followers of his Moon Dynasty? (Someone said – They are added to the *Suryavanshis*) So, are all of them added to the *Suryavanshis*? All of them must not be getting added. So, the ones who are added to the *Suryavanshis* will renounce the Moon Dynasty, will they not? They will come here only after renouncing. They will transfer themselves, will they not? And those who do not transfer, even if they have to leave their bodies; it happens like this in other religions too. Those who are firm in their religion will never convert in the Brahmin religion. What? Are there such ones or not? (Everyone said – there are) There are many. It is a similar case here. Those who are firm *Chandravanshis,* they cannot convert whether God or the Father of God comes.

कुछ आत्मायें ऐसी निकलतीं है, जो ज्ञान सूर्य को पहचान लेती है। वो विजयमाला में आ जाती है। है वो भी ज्ञान चन्द्रमा को फॉलो करने वाले। क्या? जो विष्णु के फॉलोअर होंगे, विष्णु का कनेक्शन सिर्फ ब्रह्मा की ओर ही ज्यादा होता है, ब्रह्मापुरी में ही ज्यादा कनेक्शन होता है विष्णु वंशियों का या विष्णु का या शंकरपुरी में भी कनेक्शन होता है? (किसी ने कुछ कहा) दोनों के साथ बराबर कनेक्शन है। (किसी ने कुछ कहा) इसलिये वो चंद्रवंशियों को भी अच्छी तरह पहचान लेते है और सूर्यवंशियों को भी अच्छी तरह पहचान लेते है। और पाला बदल लेते है। लेकिन जो ब्रह्मा के फॉलोअर्स में चंद्रवंश से नीची कैटगिरी की आत्मायें आती हैं उनकी गोद में पलती है, खेलती है उनमें जो मुख्य है इस्लाम धरम वाले, उनकी मुखिया है माया।

Some such souls emerge, who recognize the Sun of knowledge. They are included in the rosary of victory (*vijaymala*). They too are the followers of the moon of knowledge. What? Those who are the followers of Vishnu; does Vishnu have more connection only with Brahma the most, or do those who belong to the Vishnu's dynasty or does Vishnu have more connection with the abode of Brahma *(Brahmapuri)* or do they have connection with the abode of Shankar *(Shankarpuri)* as well? (Someone said something) He has equal connection with both of them. (Someone said something) That is why they recognize the *Chandravanshis* as well as the *Suryavanshis* very well. And they change their sides. But among the followers of Brahma, the souls which are of a lower category than the *Chandravanshis*, sustain and play in his (Brahma's) lap, among them, the main ones are those belonging to Islam religion, their chief is *Maya.*

जिसको बाबा कहते हैं बेटी। उसको काम दिया हुआ है। क्या काम दिया हुआ है? जो श्रीमत पर नहीं चलते है उनको खूब फथकाओ। ये काम ब्रह्मा ने दिया है या शिव ने दिया है? हैं? (किसी ने कहा – ब्रह्मा) ब्रह्मा ने दिया है? ये काम शिवबाबा ने दिया है। जो काम दिया हुआ हो बाप ने कि जो श्रीमत पर नहीं चलते है उनको खूब फथकाओ। ये काम नहीं है? ये श्रीमत नहीं है? कुछ भी करो लेकिन जो काम दिया है वो करके दिखाओ। तो कितनी बड़ी मददगार हो गई। लेकिन वो माया बाप की गोद में नहीं पलती है। किसकी गोद में पलती

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

है? ब्रह्मा माँ की गोद में पलती है। और जो भी उसके मायावी पुंगरे है वो भी माँ की गोद में पलते है। इसलिये क्राइस्ट और क्रिश्चियन्स की राशि कृष्ण से मिलाई जाती है। क्या?

The one whom Baba calls daughter. She has been assigned a task. Which task has been assigned to her? Shake those who do not follow the *shrimat* very much. Has this task been assigned (to her) by Brahma or by Shiv? Hum? (Someone said – Brahma) Has Brahma assigned the task? Shivbaba has assigned this task. The Father has assigned the task that 'you shake those people very much who do not follow the *shrimat*'. Is this not a task? Is this not the *shrimat*? Do whatever you want, but complete the task. So, she became such a big helper. But that *Maya* does not sustain in the lap of the Father. In whose lap does she sustain? She sustains in the lap of mother Brahma. And all her illusive cubs too sustain in the mother's lap. That is why the horoscope of Christ and Christians are matched with Krishna. What?

क्राइस्ट की राशि कृष्ण से मिलाई जाती है। क्रिश्चियन्स जो है वो कौनसे जानवर को दूध भात खिलाते है और खूब उसकी खातिरी करते है? हैं? कुत्तों को बहुत प्यार मिलता है। (किसी ने कहा – पालते है।) हाँ, कोई कवि ने गीत भी बनाए दिया – कुत्तों को मिलता दूध भात, बच्चे भूखों चिल्लते है। तो मुरली में बोला है – इन सभी सितारों में सबसे जास्ती खातिरी होती है (सबने कहा – कुमारिका की) कुमारिका की। शिवबाबा खातिरी करते है या कोई देहधारी खातिरी करता है?

The horoscope of Christ is matched with Krishna.Which is the animal whom the Christians feed with milk and rice and considerate them a lot? Hum? The dogs receive a lot of love (from them). (Someone said – They rear them) Yes, a poet has also made a song – *Kutton ko miltaa doodh bhaat, bachchey bhookhon chillatey hain* (The dogs get milk and rice to eat, while the poor children cry of hunger) So, it has been said in the *Murli* , "Among all these stars, who is regarded the most? (Everyone said – *Kumarka*) *Kumarka*. Does Shivbaba regard (her) or does any bodily being regard her?

(सबने कहा – देहधारी) कोई कहता है शिवबाबा खातिरी करता है। अभी भी जो अव्यक्त वाणियां आ रही है उनमें मक्खनबाजी कुमारका दादी की कौन कर रहा है? शिवबाबा कर रहा है या ब्रह्मा बाबा कर रहा है? (किसी ने कहा – ब्रह्मा बाबा) (किसी ने कहा – तभी तो बोला दादी भी वाणी चलायेगी।) (बाबा ने इशारा करके कहा – हां।) क्यों? अपने फालोअर्स जो इस्लामवंशी ढ़ेर के ढ़ेर है ब्राह्मणों की दुनिया में उनके लिये वाणी नहीं चलायेगी? नहीं चलानी चाहिये? कौन पालना करेगा? सूर्यवंशियों की पालना करेगी? सूर्यवंशी उनकी बात को मानेंगे? नहीं मानेंगे।

(Everyone said – Bodily being) Someone says that it is Shivbaba who regards (her). Even now, who is buttering *Kumarka Dadi* in the *Avyakta Vanis* that are coming (i.e. being narrated)? Is Shivbaba buttering or is Brahma Baba buttering? (Someone said – Brahma Baba) (Someone said – Only then has it been said that *Dadi* too will narrate *vani*) (Baba said yes through gestures) Why? Will she not narrate *vani* for her numerous followers who belong to the Islamic dynasty in the world of Brahmins? Should she not narrate? Who will nurture them? Will she nurture the *Suryavanshis*? Will the *Suryavanshis* accept her versions? They will not.

तो ब्रह्मा की गोद में वो पलते है, पालना लेती है ना। अब पालना लेने वाले की बुद्धि में अच्छी तरह बैठ गया, क्या? क्या बैठ गया है? कि मैने जो काम करना था वो कर लिया। क्या? जो करना था सो कर लिया। अब उसकी दृष्टि में आ गया कि मेरा पार्ट क्या है? पहले तो देह के बंधन में थी। हैं? चाहते हुये भी एड्वांस पार्टी में सामने जा करके कोर्स नहीं ले सकती थी, भट्टी नहीं कर सकती थी और अब तो सूक्ष्म शरीर मिल गया। वो तो स्वतंत्र है। जहां कहीं भी भट्टी होती हो, जहां कहीं भी एड्वांस कोर्स चलता हो वहां जा करके अपने जो फालोअर्स हैं, उनमें प्रवेश करके और समझ सकती है, देख सकती है जान सकती है, बाप को पहचान सकती है।

So, they receive sustenance in Brahma’s lap; she receives sustenance, does she not? Now it has fitted very well in the intellect of the one who received sustenance; what? What has fitted (in her intellect)? (That) I have performed the task that I had to. What? I have done whatever I was supposed to do. Now she has visualized, what her part is. Earlier she had the bondage of the body. Hum? Despite her desire, she could not have taken the course by visiting the Advance Party in front, she could not have attended the *bhatti* and now she has received the subtle body. She is free. She can understand, observe, know and recognize the Father by entering in her followers wherever *bhatti* is being organized, advance course is being narrated.

(किसी ने पूछा – सिर्फ उनके फालोअर्स में करती है क्या?) ब्रह्मा की आत्मा ने अभी तक पूरा–पूरा पहचान लिया? (सबने कहा – नहीं) अभी भी पढ़ाई चालू है। तो जो इस्लामवंशियों के मुखिया होंगे सेकेण्ड नारायण सतयुग के वो पहले पहचान लेंगे क्या? तो निश्चयबुद्धि अनिश्चयबुद्धि, अनिश्चयबुद्धि, निश्चयबुद्धि। ये चक्र चलता रहेगा। और इसके फाउन्डेशन डालने वाले तो हम बच्चे ही है। हमारा क्या हाल है? हैं? (किसी ने कुछ कहा) निश्चयबुद्धि और कभी अनिश्चयबुद्धि। माया पाठ पढ़ाती है तो निश्चयबुद्धि नहीं होते है। हैं? माया जब पाठ पढ़ाय देती है तो अनिश्चयबुद्धि हो जाते है। होते है कि नहीं? (किसी ने कहा – नहीं होते) नहीं होते? (किसी ने कहा – परीक्षा आती है लेकिन) थोड़ा हिलाती तो है। (किसी ने कहा – श्रीमत पर नहीं चलने देती) श्रीमत पर नहीं चलने देती? माना हिला दिया। (किसी ने कहा – वो मजबूर है ना बाबा) मजबूरी क्या चीज होती है? तो अब ये चलता रहेगा।

(Someone asked – Does she enter only in her followers?) Has Brahma’s soul so far recognized completely? (Everyone said – No) Even now the study is going on. So, will the head of the Islam dynasty, the second Narayan of the Golden Age, recognize first? So, faithful intellect, doubtful intellect; doubtful intellect, faithful intellect. This cycle will go on. And it is we children who lay the foundation for this. What is our condition? Hum? (Someone said something) Sometimes we are of faithful intellect and sometimes of doubtful intellect. When *Maya* teaches a lesson, we do not develop a faithful intellect. Hum? When *Maya* teaches us lessons, we develop doubtful intellect. Do we or don’t we? (Someone said – We do not) Don’t you? (Someone said – We do face the test, but……..) She does shake a little. (Someone said – She does not allow us to follow the *shrimat*) Does she not allow us to follow the *shrimat*? It means that she shook us. (Someone said,
We are compelled, aren’t we Baba?) What is ‘compulsion’? So, now this will continue.

........माया सहयोगी भी बनेगी। और माया विरोधी भी बनेगी। ये इनस्पिरेटिंग पार्टी है। क्या? इनस्पिरेटिंग पार्टी का दूसरा ग्रुप है। पहला ग्रुप है – ब्रह्मा और ब्रह्मा के फालोअर्स का। और दूसरा ग्रुप है – इस्लाम धर्म में कन्वर्ट होने वाले नारायण–नारायणी और उनके

फालोअर्स का। ऐसे ही ये ग्रुप प्रत्यक्ष होते जावेंगे। एक के बाद एक। और वो आत्मायें एड़वांस पार्टी वालों को इनस्पिरेट करती रहेंगी। (किसी ने पूछा – मरने के बाद?) नहीं, जब एड़वांस पार्टी वाली बीजरूप आत्माओं में प्रवेश करती है तो उनकी बीजरूप स्टेज बन जाती है – निश्चयबुद्धि बन जाती है। और एड़वांस वालों को इनस्पिरेट करती है मदद करती है। उनका उमंग उत्साह दिन दुगना रात चौगुना बढ़ जाता है भले तामसी शरीर है, तामसी संस्कार है, पूरे बन्दर सम्प्रदाय है। लेकिन जब सूक्ष्म शरीर धारण करती है, वो ही आत्माएँ तो अपने बेसिक वाले फालोअर्स में जाकर प्रवेश करती है। फिर उनको भड़कायेंगी।

…………*Maya* will become a helper as well as an opponent. It is inspiriting party. What? It is the second group of the inspiriting party. The first group is of Brahma and Brahma's followers. And the second group is of Narayan and Narayani and his followers, who convert to the Islam religion (in the Copper Age). In this manner these groups will go on revealing one after the other. And those souls will keep inspiriting the people belonging to the advance party. (Someone asked – Is it after dying?) No, when they enter in the seed-form souls of the advance party, they assume the seed-form stage; they develop faithful intellect. And they inspirit (i.e. inspire) those who belong to the advance party; they help them. Their (the one in whom they enter) zeal and enthusiasm increases by leaps and bounds although their body is degraded, their *sanskars* are degraded and they completely belong to the monkey community. But when they assume the subtle body, the same souls enter in their followers from the basic party. Then they will provoke them.

जैसे ब्रह्मा की आत्मा भी अभी दो तरह का पार्ट बजा रही है। कैसे–2? बीजरूप स्टेज में आती है एड़वांस ज्ञान सुनती है, सबसे पहले किसकी आत्मा ज्ञान सुनती है? (सबने कहा – ब्रह्मा) हैं? वैसे भी कहते है भक्तिमार्ग में। जहां–जहां रामायण होती है ना, तो हनूमानजी पहले पहुंच जाते है। हनूमानजी बहुत अच्छे, क्या नाम – ओबीडियन्ट सर्वेन्ट थे ना। है? तो बापदादा भी ओबीडियन्ट सर्वेन्ट बनके पार्ट बजाये रहे हैं। तो बीजरूप स्टेज में एड़वांस के सहयोगी बनते है उमंग उत्साह बढ़ाते हैं और जब सूक्ष्म शरीर धारण करते हैं, बीजरूप स्टेज खतम हो जाती है तो जो भी वहां चंद्रवंशी है उन चंद्रवंशियों की मक्खनबाजी करेंगे जरूर। तो ये चलता रहता है।

For example, the soul of Brahma as well, is playing two kinds of parts now. Which kinds of parts? When it attains a seed-form stage, when it listens to the advanced knowledge; whose soul listens to the knowledge first? (Everyone said – Brahma) Hum? Even otherwise, it is said in the path of worship that wherever the story of Ramayana is recited, *Hanumanji* reaches that place first. *Hanumanji* was a very good….what do they call….obedient servant, wasn't he? Hum? So, Bapdada too is playing a part as an obedient servant. So, in a seed-form stage he becomes helper to the advance (party), increases the zeal and enthusiasm and when he assumes a subtle body, when the seed-form stage ends, then which ever souls belonging to the Moon Dynasty are there, he will certainly flatter those *Chandravanshis*. So, this goes on.

जो प्रश्न किया था, किसने किया था अभी? अभी प्रश्न किसने किया था माया के बारे में? हैं? क्या? हैं? क्या प्रश्न किया था? (किसी ने कहा – माया क्यों आती है?) हां ये बात है, माया क्यों आती है? अभी तो शरीर छोड़ दिया, अब क्यों आती है? अब इसलिये आती है, कि अव्यक्त वाणी में बोला हुआ है, जब कोई सब तरीके से हार जाता है, थक जाता हैं, बोला ना माया थक चुकी है। अव्यक्त वाणी में क्या बोला? माया थक चुकी है। सर्वशक्तिवान का टाइटल तो मिला। है उसका। लेकिन सर्वशक्तिवान के आगे माया थक चुकी है। (किसी ने कहा – बाप के आगे) हां बाप के आगे, माया थक चुकी है। तो जब कोई सब तरह से थक

जाता है, तो कहीं से मदद मिलने की आशा करता है कि नहीं? (सबने कहा – करता है) कहीं से कोई मदद मिल जाये।

Who had raised the question just now? Who had raised the question about *Maya* just now? Hum? What? Hum? What had you questioned? (Someone said – Why does *Maya* come?) Yes, this is the topic, why does *Maya* come? Now that she has left her body; why does she still come? She still comes because it has been said in an *avyakta vani* that when someone suffers defeat in all ways, when one becomes tired; it has been said, '*Maya* has become tired', hasn't it? What was said in the *Avyakt Vani*? (It was said), "*Maya* has become tired." She did receive the title of almighty. It **is** her (title). Nevertheless, *Maya* has become tired in front of the Almighty. (Someone said – In front of the Father) Yes, *Maya* has become tired in front of the Father. So, when someone becomes tired in all ways, then does he expect help from somewhere or not? (Everyone said – he does). (He thinks), "I should receive some help from somewhere."

माया रावण के दस रूप है। पांच तो मुख्य है विकार। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार। और पांच है सहयोगी – प्रकृति के 5 जड़ तत्व। चैतन्य आत्मायें भी हैं। वो पांच। पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश। जो 5 तत्व हैं और उनका संघात प्रकृति है उस प्रकृति माता से, जब माया थक गई शरीर भी छूट गया तो प्रकृति माता से माया ने हाथ मिलाय लिया। मदद करो संतोषी माता। तो 5 विकारों ने तो बाप के बच्चों का कुछ भी नहीं अभी तक बिगाड़ पाया। बच्चे बरकरार हैं जिन्दा है। माया 2, 4, 8 बच्चों को अधमरा कर पाया होगा। लेकिन मार नहीं पाई अमरनाथ के बच्चों को। खुद मर गई शरीर से। तो उसने युक्ति अपनाई। क्या? कि जो प्रकृति कि 5 तत्वों के संघात वाली प्रकृति माता है उससे हाथ मिला लिया। तो होशियारी का काम किया या बुद्धुपने का काम किया? (सबने कहा – होशियारी का) होशियारी का काम किया।

There are ten forms of *Maya* Ravan. The main five (forms) are the vices. Lust, anger, greed, attachment, ego. And (the remaining) five are the helpers – the five elements of nature. Those five are living souls as well. Earth, water, wind, fire, sky. The combination of the five elements is Nature, Mother Nature.When *Maya* became tired, when she left her body as well, she shook hands with Mother Nature, (saying), "Help mother *Santoshi* (a title of the goddess)." So, the 5 vices were not able to bring any damage to the Father's children so far. Children are alive. *Maya* must have been able to make 2, 4, 8 children half-dead. But she has not been able to kill the children of *Amarnath*. She herself died physically. So, she adopted a tact. What? She shook hands with the composite form of the five elements of nature, i.e. Mother Nature. So, did she perform a clever job or a task of foolishness? (Everyone said – Of cleverness) She performed a clever task.

जो प्रकृति माता है जो प्रकृति जब सतोप्रधान बनती है तो सतयुग में देवताओं की अच्छी ते अच्छी पालना करती है। और जब तमोप्रधान बनती है तो सारी दुनिया का संघार करने के निमित्त बन जाती है। क्या? 63 जन्मों से 5 विकारों का प्रकोप होता आया मानवीय सृष्टि के ऊपर। लेकिन सृष्टि अभी भी बरकरार है। लेकिन जब प्रकृति तामसी बनती है, तमोप्रधान बनती है, पृथ्वी भूकम्प लाती है। जल – सागर में बाढ़ आ जायेगी। उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव पर मीलों ऊँचे पहाड़ हैं बर्फ के, वो सब पिघलके सागर में आयेंगे तो बाढ़ आ जाएगी। इतनी बड़ी बाढ़ आयेगी कि जो भी महाद्वीप है वो सब समुद्र के अंदर डूब जायेंगे। पृथ्वी भूकम्प लायेगी और जल बाढ़ लायेगी, और अग्नि..........(किसी ने कहा – जलायेगी).......... देवता क्या करेंगे? वो एटम बम्ब फूटेंगे चारों तरफ। आग ही आग।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

When Mother Nature becomes *satopradhan* (dominated by the quality of goodness and purity), she gives the best sustenance to the deities in the Golden Age. And when she becomes *tamopradhan* (dominated by the quality of darkness or ignorance), she becomes instrumental in destroying the entire world. What? The human world has been facing the tumult of five vices for 63 births. But the world still exists. But when the nature becomes degraded *(tamasi)*, when it becomes *tamopradhan*, the (element) earth causes earthquake. (Due to the element) water, there will be floods in the ocean. There are miles high mountains of ice at the North and the South Pole, when all of it will melts and adds to (the water) in the ocean, it results in floods. There will be such a big flood that whichever islands are there, all of them will submerge in the ocean. Earth will cause earthquakes and water will cause floods; and what will the fire…….. (Someone said – it will burn)……. deity do? He will explode atom bombs everywhere. There will be just fire and fire.

वायु क्या करेगी? (किसी ने कहा – तूफान) बड़े–बड़े तूफान आयेंगे। और आकाश? उसमें से ओजोन फट पड़ेगा। और सूर्य की डायरेक्ट किरणें पड़ेंगी। अभी ओजोन से छन करके आ रहा है, सूर्य का प्रकाश। क्या? अभी जो बेहद का ज्ञान सूर्य है वो भी ओजोन से छान छान करके ज्ञान दे रहा है। (किसी ने पूछा – ओजोन माना क्या?) 'ओज' किसे कहते है? तेज। ऑन। ओज ऑफ नहीं। ओज ऑन। कहते हैं ना ओजस्वी। तो सूर्य जो है इतनी तेजी से तपेगा। ज्ञान सूर्य भी इतनी तीक्ष्ण किरणें फेंकेगा जो गीता में आया – बस, बस, बस बंद करो। अब हम सहन नहीं कर सकते। इसलिए मुरली में बोला है, ''ऐसी तीखी दृष्टि देंगे जो तुम बच्चे ठहर नहीं सकेंगे।'' वो तो दृष्टि की बात हुई। लेकिन ज्ञान भी ऐसा तीखा होता जावेगा, इतना तीक्ष्ण बातें सुनायेंगे कि जो श्रीमत पर न चलने वाले हैं वो सहन नहीं कर सकेंगे। सुनना दूभर हो जायेगा।

What will wind do? (Someone said – storms) Very big storms will occur. And what about sky? The ozone layer will burst and the direct rays of Sun will fall (on the Earth). Now the Sunlight is reaching (the Earth) after being filtered through the ozone. What? Now the unlimited Sun of knowledge too is giving knowledge after filtering it through the ozone. (Someone asked – What does ozone mean?) What does '*Oj*' mean? 'Vigor '. 'On'. It is not 'Oz - off'. (It is) 'Oz -on'. It is said '*ojasvi*' (vigorous), isn't it? So, the Sun will become so hot…. also the Sun of knowledge will radiate such powerful rays, (about) which it has been mentioned in the Gita as, "Enough, enough, enough; stop it. Now I cannot tolerate"[1]. That is why it has been said in the *Murli*, "(The Father) will give such a powerful *drishti* that you children will not be able to bear it." That is only about *drishti*. But even the knowledge will go on becoming so powerful, (the Father) will narrate such powerful versions that those who do not follow *shrimat* will not be able to tolerate it. It will become difficult to listen (for them).

तो 5 तत्व विकराल रूप धारण करते हैं। तो सारी दुनिया का विनाश हो जाता है। कौन बचते हैं? जो प्रकृतिजीत है, मायाजीत हैं, वो ही बचेंगे। और बाकी सब खलास हो जायेंगे। नौ लाख भी नहीं बचेंगे। कितने बचेंगे? (सबने कहा – साढ़े चार लाख) साढ़े चार लाख। साढ़े चार लाख भी नहीं बचेंगे। उनमें भी दूसरे–दूसरे धर्म के मोटे–मोटे छिलके वाले है। क्या? जैसे बैल होता है तो उसको अरई मारो तो भागने लगता है। अगर गैंडा को अरई लगाओ तो कुछ नहीं होगा। तो ऐसी–ऐसी मोटी चमडी वाले बीज हैं, कि जब तक विनाश की विभीषिका जोर से शुरू नहीं होगी तब तक वो भगवान के सामने झुकने वाले नहीं है। तो जब सारे नम्बर डिक्लेयर हो गये , 8 की माला डिक्लेयर हो जाये, 100 डिक्लेयर हो

[1] It was said by Arjuna to Lord Krishna on seeing the radiance of the Universal form of God.

जाये, राजा बनने वाले, रानियाँ बनने वाली डिक्लेयर हो जाये। भगवान को विशेष सहयोग देने वाली हजार भुजायें भी प्रत्यक्ष हो जायें फिर जागे तो क्या फायदा है? हैं? (किसी ने कहा – नम्बर ही नहीं आवेगा) फिर?

So, the five elements assume a ferocious form. Then the entire world is destroyed. Who survive? Those who are conquerors of the nature, conquerors of *Maya;* only they will survive. All the others will be finished. Not even nine lakhs (900 thousand) will survive. How many will survive? (Everyone said – four and a half lakhs) Four and a half lakhs (450 thousand). Not even four and a half lakhs will survive. Even among them, there are souls with a thick peel of other religions. What? For example, if you goad the bull (*arai*), it starts running. If you goad a rhinoceros then there will be no effect. So, there are seeds covered with such thick peel that they are not going to bow before God till the threat of destruction begins speedily. So, if someone awakens when all the numbers have been declared, when the rosary of 8 has been declared, when the 100 (beads) have been declared, those who are going to become kings and queens are declared, when the 1000 arms that give special help to God are revealed as well, then what is the use? Hum? (Someone said – they will not receive any number, i.e. rank at all) Then?

(किसी ने पूछा – शिवबाबा की प्रत्यक्षता कब होगी?) शिवबाबा की प्रत्यक्षता कौनसी दुनिया में पहले होगी? (सबने कहा – ब्राह्मणों की) जिन्होने बेसिक ज्ञान लिया होगा, चाहे पूर्वजन्म में चाहे इस जन्म में वो पहले पहचानेंगे और दौड़ेंगे और भीड़ लगायेंगे और आबूरोड़ से ले करके माउंट आबू तक लाइन लगेगी या दुनिया वालों की लगेगी? हैं? (किसी ने कहा – ब्राह्मणों की दुनिया) हां। पहले तो ब्राह्मणों की दुनिया में हरेक बात लागू होती है। सन् 76 में पुरानी दुनिया का विनाश नई दुनिया की स्थापना होगी। इन लक्ष्मी नारायण का राज्य होगा। तो बाहर की दुनिया के लिये बोला था? ब्राह्मणों की दुनिया के लिये बोला। ओमशान्ति।

(Someone asked – When will revealation of Shivbaba take place?) In which world will the revealation of Shivbaba take place first? (Everyone said – in the world of Brahmins) Those who have obtained basic knowledge whether in the past birth or in this birth; will they recognize first and run (to the Father) and form a crowd and form a line from Abu Road to Mt.Abu or will the line of the people of the world be formed first? Hum? (Someone said – the world of Brahmins) Yes. Initially, everything applies to the world of Brahmins. 'The old world will be destroyed and the new world will be established in the year 1976. There will be the rule of this Lakshmi and Narayan.' So, was it said for the outside world? It was said for the world of Brahmins. Om shanti.

………………………………………………………………………………………………

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info